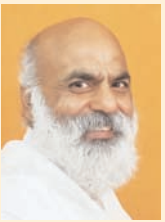


सहज स्मृति योग



व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, गुरु पूर्णिमा आ रही है तो आप गुरु तत्व पर ही कुछ प्रकाश डालिए।मनुष्य को गुरु रूप में कोई मनुष्य चाहिए ही क्यों और यदि नहीं चाहिए तो क्यों नहीं चाहिए ?

उत्तर: सूरज (प्रकाश-स्रोत) पर कोई कैसे प्रकाश डाले? गुरु-तत्व तो स्वयं प्रकाशित अवस्था, व्यवस्था, व्यक्तित्व और कृतित्व है। मानव हृदय में तात्विक ज्ञान और उसकी चेतना में ईश्वरीय अनुभूति का मार्ग गुरु से प्रकाशित होता है। इसलिए, जब कोई परमेश्वर का अस्तित्व स्वीकार करता है तब उसे अपने जीवन में गुरु का संग चाहिए होता है इस अखंड-अटूट सम्बन्ध-क्रम को गुरु-परम्परा कहा जाता है। जो परमेश्वर का अस्तित्व स्वीकार नहीं कर पाते उन्हें गुरु भी नहीं मिलते।क्योंकि, जिन्होंने ईश्वरीय प्रकाश ही नहीं स्वीकार पाया, उन्हें गुरु क्यों चाहिए? वैतन्य में एक ही रहता है या तो अहंकार या फिर गुरु ।

प्रधान का इस्तीफा युवा शक्ति और लोकतंत्र की बड़ी जीत : शरद पवार



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रदेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश में युवा शक्ति की एकजुटता और लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है।

पवार ने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर लगातार 28 दिनों तक युवाओं द्वारा दिखाया गया संघर्ष और दृढ़ संकल्प वास्तव में सराहनीय है। पवार ने एक बयान में कहा, “प्रदर्शनकारियों की मांग के जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आखिरकार आज इस्तीफा दे दिया। अन्याय के खिलाफ बिना डरे और

बिना झुके डटकर संघर्ष किया तथा सरकार को नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए मजबूर किया। यह देश में युवा शक्ति की एकता की एक बड़ी जीत है।” विरोध स्थल का दौरा कर चुके शरद पवार ने समर्थन देने के लिए विपक्षी दलों के सांसदों को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के प्रमुख नेताओं ने देश के युवाओं को नैतिक और संसदीय, दोनों स्तरों पर भरपूर समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र की जीत हुई है और इसका श्रेय निरसंदेह युवा पीढ़ी को जाता है। प्रधान का इस्तीफा दिल्ली के जंतर-मंतर पर काँकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच आया है। प्रदर्शनकारी ‘नीट-यूजी 2026’ प्रश्नपत्र लीक और सीबीएसई की ‘ऑन-स्कैन मार्किंग’ प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर उनकी जवाबदेही तय करने के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के संचालन में व्यापक सुधारों की मांग कर रहे हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम के कारण वह काफी दुखी हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। उन्होंने कहा, “मैंने पहले दिन से ही नीट प्रश्नपत्र लीक की जिम्मेदारी ली है।”



मध्यप्रदेश में कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगढ़/भाषा। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में एक तेज रफ्तार कार के बांध में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह हादसा राजगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर खुजनेरे थानाक्षेत्र में भीलखेड़ी मोड़ के पास हुआ। थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने

‘पीटीआई-भाषा’ को बताया कि कार पंचोर से खुजनेर की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की जान गयी है, वे पड़ोसी शाजापुर जिले के अरन्या गांव के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने लोगों की मदद से राहत अभियान शुरू किया और बांध से डूबी हुई गाड़ी को बाहर निकाला। ठाकुर ने बताया कि मौके पर ही सभी पांच लोग मृत पाए गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हादसे की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

भूमि पूजन



हुब्ली के जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन(जीतो) हुब्ली चैप्टर ने शनिवार को गोतगोडी गांव, उत्सव रॉक गार्डन के सामने प्रस्तावित विहार धाम परियोजना का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन जैन परंपरा के अनुसार विधि-विधान एवं मंगलारंघन के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जीतो के पदाधिकारी, सदस्यगण, दानदाता उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण



मैसूरु में भगवान महावीर जैन अस्पताल के उद्घाटन हेतु मैसूरु महाराजा एवं मैसूरु कोडगू सांसद यदुवीर कृष्णा चामराज वाडेयार को आमंत्रित करते हुए जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कालिलाल जैन, कार्यकारिणी समिति के सदस्य भंवरलाल जैन एवं गौतम सालेचा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दादाश्री जिनदत्तसूरी का 872वाँ स्वर्णारोहण दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाडी ट्रस्ट, बसवनगुडी के तत्वावधान में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरीश्वरजी का 872वाँ स्वर्णारोहण दिवस धार्मिक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर संतश्री मलयप्रभासरगजी ने गुरुदेव के गुणों को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। साध्वी प्रियश्रद्धाजानाश्रीजी

की निश्चा में श्रद्धालुओं ने दादा गुरुदेव की भक्ति, वंदना एवं आराधना कर उनके उपदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। साध्वीश्री ने अपने प्रेरणादायी प्रवचनों में दादा गुरुदेव के त्याग, तप, संयम एवं धर्म प्रभावना से परिपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।



कुशलराज गुलेच्छा ने सभी से दादा गुरुदेव के बताए मार्ग पर चलकर धर्म, संस्कार एवं मानव सेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। ललित डाकलिया ने कहा कि दादा गुरुदेव का तप, त्याग एवं धर्म के प्रति समर्पण आज भी समस्त समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। गुणानुवाद सभा में पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, राजेंद्र गुलेच्छा सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी एवं महामंत्री



टेकड़ीवाल बने कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की साधारण सभा निवर्तमान अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल के दौरान किए

गए विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक एवं सेवा कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक के दौरान बेंगलूरु महिला परिषद शाखा की अध्यक्षा

माया अग्रवाल ने वर्ष 2026-28 के लिए वर्तमान महामंत्री शिवकुमार टेकड़ीवाल के नाम का अध्यक्ष पद हेतु प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन बेंगलूरु शाखा के

अध्यक्ष पंकज जालान तथा प्रोफेशनल शाखा के सचिव महेश अग्रवाल ने किया।

सर्वसम्मति के साथ शिव कुमार टेकरीवाल को कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का नया अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। नए अध्यक्ष टेकड़ीवाल का सम्मान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने किया।

जम्मू अदालत ने पाक स्थित आतंकी आका को 21 अगस्त तक पेश होने का निर्देश दिया

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा-पार एक आतंकी आका को एक विशेष अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित करने के आदेश पर शनिवार को रियासी जिले में कार्रवाई की। अदालत ने उसे वर्ष 2022-23 में कटया और नरवाल में हुए दोहरे बम विस्फोटों के मामले में 21 अगस्त

तक पेश होने का निर्देश दिया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि वांछित आतंकवादी मोहम्मद कासिम उर्फ ‘सलमान’ रियासी जिले के अंगराला गांव का निवासी है और उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 84 के तहत भगोड़ा घोषित किया गया है। यह

कार्रवाई जम्मू के तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के आदेश के अनुपालन में की गई, जो एनआईए अधिनियम के तहत विशेष अदालत है। उन्होंने बताया यह आदेश महार पुलिस थाने में गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम (यूपीए) के तहत दर्ज एक प्राथमिकी से संबंधित है।

अभिजीत दीपके के माता-पिता ने ली राहत की सांस, कहा- ‘अब चाहते हैं कि वह घर लौट आए’



मुंबई/भाषा। काँकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में असाधारण अभियान के परिणामस्वरूप केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद शनिवार को उनके माता-पिता की महीनों पुरानी चिंता राहत और खुशी में बदल गई। अभिजीत की मां अनीता दीपके ने अपने आंसू रोकते हुए कहा, “मैं उससे जल्दी घर आने को कहूँगी।

आगर वह नहीं आया, तो हम जाकर उसे वापस लाएंगे। मैं उसे कसकर गले लगाऊँगी और उसकी आरती उतारूँगी। पिछली बार जब वह यहां आया था, तो उसने यह कहते हुए मुझे आरती उतारने से रोक दिया था कि वह कोई खास व्यक्ति नहीं है।” महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर शहर में अपने घर पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, “मैं बेहद खुश हूँ। उसकी ईमानदारी की जीत हुई है। युवाओं के समर्थन ने उसकी मदद की और उसने एक बड़ी जीत हासिल की।”

दीपके के भारत लौटकर आंदोलन शुरू करने के समय से उनकी मां चिंतित थीं। अनीता ने कहा कि नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर काँजपा का आंदोलन शुरू होने के बाद वह सो भी नहीं पाती थीं। अनीता ने कहा, “मैं हर समय चिंतित रहती थी। मेरी रातों बिना सोए बीतती थीं। हर सुबह, मैं अपना फोन देखने से भी डरती थी कि कहीं कोई परेशान करने वाला वीडियो न देख लूं। मैं तुरंत उसके दोस्तों को फोन करके पूछती थी कि वह सुरक्षित है या नहीं।”



जम्मू कश्मीर में दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा छह दिन बाद फिर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/श्रीनगर/भाषा। वार्षिक अमरनाथ यात्रा खराब मौसम के कारण छह दिन तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों से फिर शुरू हो गई तथा 6,000 से अधिक तीर्थयात्री जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अन्तर्नाग जिले के 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग

और गांदरबल जिले के 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग पर लगातार बारिश तथा खराब मौसम के कारण यात्रा 19 जुलाई को

एहतियातन स्थगित कर दी गई थी। ये दोनों मार्ग 3,880 मीटर की ऊँचाई पर स्थित गुफा मंदिर तक जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि मौसम में सुधार और जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग फिर से खुलने के बाद यात्रा बहाल की गई। उधमपुर-रामबन मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन और पहाड़ों से पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग तीन दिन

तक बंद रहा था। शनिवार सुबह हल्की बारिश के बीच सैकड़ों तीर्थयात्री बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों से गुफा मंदिर के लिए रवाना हुए। जम्मू से 1,470 महिलाओं, 25 बच्चों और 54 साधुओं समेत कुल 6,269 तीर्थयात्रियों का 18वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच 223 वाहनों के काफिले में शनिवार तड़के दो बजकर 40 मिनट पर भगवती नगर आधार शिविर से बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ।

विजयन ने वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री सतीशन पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनराई विजयन ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वी. जी. सतीशन और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) संशोधित वक्फ अधिनियम के तहत वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सरकार के खिलाफ भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। हाल में संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा था, विपक्ष के नेता ने सांप्रदायिकता फैलाने और मुस्लिम समुदाय को सरकार के खिलाफ करने के लिए भ्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणियां की हैं। इस मुद्दे पर सरकार को बंदनाम करने के विपक्ष के नेता या माकपा के ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

विजयन ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि यूडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री ने केरल को संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करने वाला पहला राज्य बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, “यह

यह आरोप लगाए। मुख्यमंत्री सतीशन ने विजयन पर वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों के मुद्दे पर सांप्रदायिक बयान देकर मुस्लिम समुदाय को यूडीएफ सरकार के खिलाफ भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। हाल में संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा था, विपक्ष के नेता ने सांप्रदायिकता फैलाने और मुस्लिम समुदाय को सरकार के खिलाफ करने के लिए भ्रामक और सांप्रदायिक टिप्पणियां की हैं। इस मुद्दे पर सरकार को बंदनाम करने के विपक्ष के नेता या माकपा के ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

विजयन ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा कि यूडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री ने केरल को संशोधित वक्फ अधिनियम को लागू करने वाला पहला राज्य बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, “यह

स्पष्ट रूप से संघ परिवार की सेवा है और इसे सभी ने देखा है। इसी कारण मुख्यमंत्री मेरे खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं। एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) सरकार ने हमेशा संविधान प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री रहते हुए भी मेरा यही रुख था और आज भी मैं उसी पर कायम हूँ।”

उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार के कार्यकाल में केरल विधानसभा ने वक्फ अधिनियम में संशोधन का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके बावजूद मौजूदा यूडीएफ सरकार और मुख्यमंत्री ने संघ परिवार के एजेंडे के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। विजयन ने सवाल किया, “क्या कांग्रेस के किसी मुख्यमंत्री को भारतीय जनता पार्टी जैसा रुख अपनाना चाहिए?”

ओएनजीसी ने महानदी बेसिन में पहले गहरे समुद्री खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल-गैस कंपनी ओएनजीसी ने शनिवार को ओडिशा तट के पास महानदी अपतटीय बेसिन में अपने पहले गहरे समुद्री खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू कर दी।

यह भारत में गहरे और बहुत गहरे समुद्री हाइड्रोकार्बन संसाधनों के दोहन के लिए एक महत्वाकांक्षी अभियान की शुरुआत माना जा रहा है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) ने एक बयान में कहा कि उसने सरकार के ‘समुद्र मंथन’ मिशन के तहत एमएन-डीडब्ल्यू 18-1-एच-डी



नामक खोजी कुएं की ड्रिलिंग शुरू की है। यह कुआं ओडिशा तट से दूर कोणार्क खोज क्षेत्र से लगभग 23 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। हाल के उक्कल और कोणार्क खोजों ने महानदी अपतटीय बेसिन में हाइड्रोकार्बन संभावनाओं को मजबूत किया है और यह ड्रिलिंग अभियान उसी दिशा में आगे की

कड़ी है। कंपनी ने कहा कि यह पहल देश के अपतटीय तेल और गैस भंडार के अन्वेषण को तेज करने के प्रयासों का हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस संबोधन में देश की अप्रयुक्त अपतटीय हाइड्रोकार्बन क्षमता के दोहन पर जोर दिया था।

टीडीबी ने कंदरारु ब्रह्मदत्तन को अयप्पा मंदिर का तंत्री नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) ने शनिवार को शबरिमला स्थित भागवान अयप्पा मंदिर के तंत्री (मुख्य पुजारी) के रूप में कंदरारु ब्रह्मदत्तन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी।

वह इस पद पर अपने पिता कंदरारु राजीवारु का स्थान लेंगे। बोर्ड ने एक बयान में बताया कि यह



निर्णय उसके तिरुवनंतपुरम स्थित मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में लिया गया। बयान के अनुसार, थंडामोन मंडप के सदस्य कंदरारु

ब्रह्मदत्तन परंपराओं के अनुसार मलयालम महीने ‘चिंगम’ के पहले दिन तंत्री का पदभार ग्रहण करेंगे। चिंगम मलयालम कैलेंडर का पहला

महीना है, जो आमतौर पर मध्य अगस्त से मध्य सितंबर के बीच पड़ता है। बयान के अनुसार, चिंगम फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है और इसे शुभ महीना समझा जाता है। केरल का सबसे बड़ा पर्व ओणम भी इसी महीने मनाया जाता है। बयान में कहा गया है कि ब्रह्मदत्तन का कार्यकाल मलयालम कैलेंडर के अनुसार कर्कटकप्रक्रम महीने के 31वें दिन तक रहेगा। बैठक में टीडीबी के अध्यक्ष के. जयकुमार तथा बोर्ड के सदस्य के. राजू और पी. डी. संतोष

कुमार मौजूद थे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि राजीवारु ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए टीडीबी को पत्र लिखकर शबरिमला में तंत्री का अनुरोध किया था। उनका यह अनुरोध ऐसे समय आया था जब भागवान अयप्पा मंदिर में कथित रूप से सोना गायब होने के मामले में उनका नाम सामने आया था और इस मामले में उन्हें कुछ समय जेल में भी रहना पड़ा था।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि कर्नाटक ने लगातार यह दिखाया है कि दूरदशी नीतियों और मजबूत उद्योग सहायों से समर्थित वैज्ञानिक उत्कृष्टता व्यापक बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि 'बेंगलूरु इंडिया नैनो' सम्मेलन शोधकर्ताओं, नवोन्मेषकों, स्टार्टअप, शिक्षण संस्थानों और उद्योग जगत को एक मंच पर लाने का काम करता है।

अस्पताल पहुंचाया, जहां
किशकिशको ने रात दो बजकर 50
मिनट पर उसे मृत घोषित
कर दिया।

पुलिस ने छात्रावास के
सहायक वार्डन की शिकायत के
आधार पर भारतीय नागरिक सुरक्षा
संहिता की धारा 194 के तहत
अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज
किया है। पुलिस ने बताया कि
मामले की विस्तृत जांच जारी है।
छात्र के परिवार के बेंगलूर से
पहुँचने के बाद आगे की कार्रवाई की
जाएगी। पुलिस ने बताया कि
प्रांतीय जांच में संकेत मिले हैं कि
गौरीदास जैन फूट तोड़ने के लिए
बाहर गया था, हालांकि उसकी
मौत किन परिस्थितियों में हुई,
इसका पता विस्तृत जांच के बाद ही
सक सकेगा।

उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले 22 छात्रों के परिवारों को मुआजजा देने, छात्र पदवीनकारियों के खिलाफ सभी प्राथमिकी वापस लेने, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिल्ली पुलिस आयुक्त को दह गई अस्तिक्त शक्तियाँ वापस लेने और राहुल गांधी, छात्र संगठनों तथा नगरिक समाज समूहों की सभी मांगों को लागू करने की भी मांग की। हरिप्रसाद ने कहा, इस त्रासदी का समाधान केवल धर्मद प्रधान के इस्तीफे से नहीं होगा। राहुल गांधी, छात्र संगठनों और नगरिक समाज की ओर से उठाई गई सभी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। तब तक हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

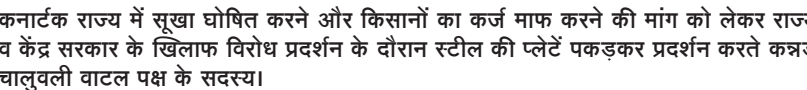
अथांरिटी, रेलवे, बेस्काँम, बीडब्ल्यूएसएसबीओर अन्य नागरिक निकायों सहित सभी संबंधित एजेंसियों को कचरा प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए एक साझा तालमेल व्यवस्था के तहत मिल कर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेनों में बायो-टॉयलेट लागू से रेलवे में साफ-सफाई में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने निर्देश दिया कि रेलवे की जमीन पर कचरा या मलबा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिसमें जुर्माना लगाना भी शामिल है।

कृष्णा बापरे गोंडा ने बेंगलूर को कचरा-मुक्त बनाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि 1 अगस्त से एक महीने तक चलने वाला सफाई अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को रेलवे ट्रैक के किनारे उगने वाली झाड़ियों और खरपटवार को हटाने का भी निर्देश दिया और कहा कि भविष्य में कचरा फेंकने से रोकने के

लिए एहतियाती उपाय किए जाने चाहिए। दोनों मंत्रियों ने अधिकारियों को उन अवैध रास्तों की पहचान करने और उन्हें बंद करने का निर्देश दिया जिनका इस्तेमाल रेलवे की संपत्ति पर कचरा और निर्माण कार्य का मलबा फेंकने के लिए किया जा रहा है। ग्रेटर बेंगलूर अथॉरिटी के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि कचरे के निपटान के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाया जाएगा और लंबे समय तक चलने वाले समाधानों को लागू करने में पूरा सहयोग देने का परोसा दिलाया। बैठक में बेंगलूर डिवीजन के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह, ग्रेटर बेंगलूर अथॉरिटी के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, बीडब्ल्यूएसएसबी की चेयरपर्सन श्रीमती मंजुला, के-राइड के मुख्य इंजीनियर लक्ष्मण सिंह और वॉशिंगटन पश्चिम रेलवे तथा ग्रेटर बेंगलूर अथॉरिटी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

स्थानांतरित किया जाएगा। नए परिसर को तैयार करने के लिए तेजी से नवीनीकरण कार्य चल रहा है। यह स्थानांतरण सचिवालय के कामकाज में वर्ष 2011 के बाद सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक माना जा रहा है।

चेन्नई। तमिलनाडु में राष्ट्रीय पात्रना-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के खिलेफ प्रदर्शन शनिवार को आरंभ हो गए तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के टी नगर स्थित राजीव मुख्यालय 'बालन इल्लम' में धरना देते दिने भी जारी रहे। छात्रों ने राष्ट्रीय पात्रना सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने, केंद्रीय शिक्षा बोर्डों में प्रवेश परीक्षाओं को समाप्त करने, भी धर्मद ध्यान के इस्तीफा आदि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के खिलेफ पुलिस की कथित खिलफतियाँ पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया



सुविचार

सच्चा मित्र वही है, जो कठिन समय में साथ खड़ा रहे। मित्रता का सम्मान करें, विश्वास बनाए रखें, रिश्ते अमूल्य होते हैं।

कहानी

गोविंद उपाध्याय

जब से फोन आया था। उसका मन काफी बेचैन था। हालाँकि पत्नी इस समाचार के बाद से ही बेहद उत्साहित थी। पत्नी ने अपनी डोलची तैयार करना शुरू कर दिया था। वह पत्नी की तरफ देखने लगा। उसके साँवले चेहरे पर इस समय गजब की चमक थी। माथे और गालों पर उग आयी झुर्रियाँ उग्र के तीसरे पड़ाव की तरफ इशारा कर रही थी। उसका ध्यान बार-बार फोन की तरफ जा रहा था। अभी घंटी बजेगी और वो दोनों चल देंगे। आरूषी रसोई में उनके लिए नाश्ता बनाने में व्यस्त थी।

रोज की तरह सुबह उठकर वह अखबार के साथ चाय की चुस्कियाँ ले रहा था कि तभी शांतनु का फोन आया – पापाजी মানুষী आधी रात के बाद से ही तकलीफ में है। डाक्टर साहिबा से बात हुई तो उन्होंने कहा कि घबराने की बात नहीं है। आपका केस बिल्कुल नारमल है। सुबह बताती हूँ कि किस नर्सिंग होम में भर्ती कराना है। आप टेंशन न लें शुरूआत में ऐसा ही होता है...।

उसके बाद से ही मन में घबराहट होने लगी थी और वह ईश्वर से प्रार्थना कर रहा था कि सब कुछ ठीक-ठाक निपट जाया। अब बस उसे शांतनु के फोन का इंतजार था कि डाक्टर साहिबा किस नर्सिंग होम को रिकमंड कर रही हैं।

मानुषी के शादी का यह दूसरा वर्ष था। वह छव्तीस साल की होने वाली थी। बस बारह दिन शेष बचा था उसके जन्म दिन का। उसे मानुषी के विवाह के लिए बहुत ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ा था। सिर्फ तीन जगह उसके रिश्ते की बात चली थी। दो जगह तो शुरूआती दौर की औपचारिकताओं के बाद ही बात खत्म हो गई थी। तीसरी जगह रिश्ता

पूर्व लोकसभा स्पीकर श्री सोमनाथ चटर्जी की जयंती पर आज संविधान भवन के सेंट्रल हॉल में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। संसदीय परंपराओं को बनाए रखने, स्वस्थ लोकतांत्रिक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए उनकी पक्की प्रतिबद्धता हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगी।

-ओम बिरला



कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में 190 किलोग्राम उठाकर ब्रॉन्ज मेडल जीतने और इस कॉम्पिटिशन में भारत के लिए पहला मेडल पक्का करने पर झंडू कुमार जी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं!

-भजनलाल शर्मा



संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com



सच्चा गुरु

मनुष्य अशेष विद्यार्थी है। प्रति पल कुछ घट रहा है, प्रति पल मनुष्य बढ़ रहा है। घटने का सुग्घ करता विरोधाभास यह कि प्रति पल, पल भी घट रहा है। हर पल के घटनाक्रम से मनुष्य कुछ ग्रहण कर रहा है। हर पल अनुभव में वृद्धि हो रही है, हर पल युद्धव्य समृद्ध हो रहा है। समृद्धि की इस यात्रा में प्रायः हर पथिक सन्मार्ग का संकेत कर सकने वाले मील के पत्थर को तलाशता है। इसे गुरु, शिक्षक, माँ, पिता, मार्गदर्शक, सखा, सखी कोई भी नाम दिया जा सकता है।

विशेष बात यह कि जैसे हर पिता किसी का पुत्र भी होता है, उसी तरह अनुयायी या शिष्य, मार्गदर्शक भी होता है। गुरु वह नहीं जो कहे कि बस मेरे दिखाये मार्ग पर चलो अपितु वह है जो तुम्हारे भीतर अपना मार्ग ढूँढने की प्यास जगा सके। गुरु वह है जो तुम्हें 'एक्सप्लोर' कर सके, समृद्ध कर सके। गुरु वह है जो तुम्हारी क्षमताओं को सक्रिय और विकसित कर सके। एक संत थे जिनके लिए कहा जाता था कि वे ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग जानते हैं। स्वाभाविक था कि उनके शिष्यों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि होती गई। हरक के मन में ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग जानने की सुप्त इच्छा थी। एक दिन दैनिक साधना के उपरांत उनके परम शिष्य ने इस बाबत पूछ ही लिया। गुरुजी बोले, मैं तुम्हें ईश्वर तक पहुँचने के मार्गदर्शक तत्व बता सकता हूँ पर अपना मार्ग तुम्हें स्वयं ढूँढना होगा।

ज्ञानी जानता है कि पुल पार करने से नदी पार नहीं होती। नदी पार करने के लिए उसमें कूदना पड़ता है। लहरों के थपेड़ों के साथ अन्य सभी आशंकाओं को भी तैरकर परास्त करना होता है। तैराकी के गुर सिखाये जा सकते हैं पर तैरते समय हरेक को अपने हिरस्से की चुनौतियों से स्वयं दो-दो हाथ करने पड़ते हैं। आधुनिक परिप्रेक्ष्य में समझना चाहे तो जीपीएस लगाकर गंतव्य तक पहुँचा तो जा सकता है पर रास्ते का ज्ञान नहीं होता। रास्ता समझने के लिए स्वयं भटकना होता है। अपना रास्ता स्वयं ढूँढना होता है। स्वयं की क्षमताओं को सक्रिय करना होता है। स्वयं को स्वयं ही अपना शोध करना होता है, स्वयं को स्वयं ही अपना बोध करना होता है।

ध्यान रहे कि पथ तो पहले से ही है। तुम उसका अनुसंधान भर करते हो, आविष्कार नहीं। यह भी भान रहे कि पथ का अनुसंधान करनेवाले तुम अकेले नहीं हो, असंख्य दूसरे भी अपने-अपने तरीके से अनुसंधान कर रहे हैं। सारे मार्गों का अंतिम लक्ष्य एक ही है। अतः यह एकाकार का मार्ग है। सच्चा गुरु वह है जो तुम्हें एकल नहीं एकाकार की यात्रा कराये। एकाकार ऐसा कि पता ही न चले कि तुम गुरु के साथ यात्रा पर हो या तुम्हारे साथ गुरु यात्रा पर है। दोनों साथ तो चलें पर कोई किसी की उंगली न पकड़े। यदि ऐसा गुरु तुम्हारे जीवन में है तो तुम धन्य हो। तुम्हारा मार्ग प्रशस्त है। जिनकी गुरुता ने जीवन का मार्ग सुकर किया, उनका वंदन। जिन्होंने मेरी लघुता में गुरुता देखी, उन्हें नमन। गुरु पूर्णिमा की अग्रिम शुभकामनाएँ।

बोध कथा

चीते का दत्तक पुत्र

कि सी गाँव में बूढ़े संतान विहीन पति-पत्नी रहते थे। वे बहुत गरीब थे। उनके पास एक अंगुल भी जमीन नहीं थी। वे रोज वन में जाते, कंदमूल खोदकर निकालते और खाते थे। बस, यह उनके जीने का सहारा था। संयोग की बात कि बुढ़ापे में पत्नी के पाँव भारी हो गए। नौ महीने बाद जंगल में कंदमूल खोदते हुए उसने बच्चे को जन्म दिया। बुढ़िया ने बूढ़े को आवाज दी, सुनते हो, बच्चा हुआ है। अब हम क्या करें? बूढ़े ने कहा, घर में एक दाना भी नहीं है। न कपड़े हैं न और कुछ। हमें इसे पालेंगे कैसे? बुढ़िया ने कहा, तो ठीक है, इसे यहीं छोड़ देते हैं। इसके भाग्य में लिखा होगा तो कोई इसे पाल लेगा। सो बच्चे को वहीं छोड़कर वे घर चले गए। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर एक चीता वहाँ आया और उसे अपने घर ले गया। वह उसका अपने बच्चे की तरह पालन-पोषण करने लगा। वह बड़ा हुआ तो चीते को उसके ब्याह की फिफ्र में एक दिन उसने लड़के से पूछा, कहो तो तुम्हारे लिए एक लड़की ले आऊँ?

लड़के ने कहा, जो आपकी मज्जी! अगर आप मेरी शादी करना चाहते हैं तो कोई लड़की ले आइए! चीता गया और किसी लड़की के उधर से गुजरने का इंतजार करने लगा। आखिर एक लड़की आई। चीता उसे उठाकर घर की तरफ चल दिया। रास्ते में वह अपने पर क़ाबू न रख सका और उसका आधा कान खा गया। वह उसे लेकर घर पहुँचा और लड़के से कहा, बेटे, मैं तुम्हारे लिए एक लड़की लाया हूँ। जाओ, एक नज़र देख लो! लड़के ने बाहर जाकर देखा, अरे, इसका तो एक कान आधा गायब है! वह वापस चीते के पास गया और कहा, पिताजी, मुझे आधे कान वाली लड़की नहीं चाहिए।

एक-एक कर चीता कई लड़कियाँ लाया। पर किसी का वह हाथ खा जाता तो किसी का नाक तो किसी का कान। आखिर एक दिन लड़के ने कहा, पिताजी, मेरे लिए कोई अच्छी लड़की लाइए, पूरे शरीर वाली। सो चीता एक बार फिर गया। इस बार एक पूरी लड़की लाने के लिए। वह ऐसे घर में गया जहाँ शादी हो रही थी। वह फेरों के बीच में ही मंडप से दुल्हन को उठा लाया। चीते को देखकर घराती-बराती सब भाग छूट। इस बार चीते ने बहुत सावधानी बरती, दुल्हन को सही-सलामत घर लाया और बेटे से उसका ब्याह कर दिया।

कुछ दिन पति-पत्नी बहुत सुख से रहे। एक रोज सब्जी काटते हुए पत्नी की अंगुली कट गई। रिसते खून को उसने पतियों से पोछ दिया। खून की गंध पाकर चीता उन पतियों के पास गया और उन्हें चाटा। सोचा, अगर उनके खून का स्वाद इतना अच्छा है तो उनका मांस कैसा होगा! मैं उन्हें खाऊँगा। हो सकता है यह सोचते हुए उसके मुँह से कुछ निकल गया हो या उसकी आँखों की रंगत ने चुगली खाई हो। जो हो, पति-पत्नी समझ गए कि चीते की नीयत में खोट है। वह उन्हें खाल्पा। उसी रात को वे वहाँ से रफूचक़र हो गए। सुबह चीते ने देखा कि दोनों का कहीं पता नहीं है। उनके पाँवों के निशानों के सहारे वह उनके पीछे गया।

पति-पत्नी एक पेड़ पर बैठे थे और चीते की बात जोह रहे थे। ज्यों ही चीता पेड़ के नीचे आया लड़का तलवार लिए हुए उस पर कूदा और उसका काम तमाम कर दिया। फिर दोनों लड़की के गाँव गए। लड़के के सास-ससुर उन्हें देखकर बहुत खुश हुए। उन्होंने तो सोचा था कि चीता लड़की को मारकर खा गया होगा। उस दिन से लड़का और उसकी पत्नी वहीं रहने लगे।



ट्वीट



कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के हैवीवेट पैरा पावरलिफ्टिंग इवेंट में 190 किलोग्राम उठाकर ब्रॉन्ज मेडल जीतने और इस कॉम्पिटिशन में भारत के लिए पहला मेडल पक्का करने पर झंडू कुमार जी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं!

-भजनलाल शर्मा



बेटा



वह अभी उसके विवाह के बारे में तो कुछ सोच पाने की स्थिति में ही नहीं था।

मानुषी जब पैदा हुई थी, उसके कुछ दिनों पहले ही उसे नौकरी मिली थी। ऐसे में अम्मा ने उसके पैदा होने पर उत्साह ही दिखाया था – 'लक्ष्मी है भाई, आने के पहले पिता को सरकारी नौकरी मिल गई। बेचारा कितना परेशान रहता था। छोटी-मोटी नौकरी मिलती भी तो मेहनत ज्यादा थी और पैसा कम...। पहला फल है। क्या बेटा...? क्या बेटी...?'

मानुषी रुई के फाहे की तरह थी। गोद में उठाते समय उसके भीतर पिता होने का एक अजीब उल्कास था। वह अपनी छोटी आँखों से उसकी तरफ ताक रही थी और वह उल्कास से भरा हुआ था। उसने पत्नी की तरफ देखा। माँ बनने के गौरव उसके चेहरा भी चमक उठा था।

लेकिन आरूषी के पैदा होने पर सब कुछ

गया था। जो लोग देखने में बहुत सीधे और सरल लगते थे। अचानक उनके चेहरों से नकाब उतरने लगे। शुरूआती छह महीनों में मानुषी जो भी बताती वह सब उसने किस्से-कहानी में ही पढ़ा था। वह घबरा जाता। आए दिन अखबारों में छपने वाली दहेज हत्या और दहेज प्रताड़ना की खबरें उसे और विचलित करती। पत्नी सात्वना देती – 'आप बिना मतलब ही इतना घबरा जाते हैं। ऐसा कुछ नहीं होगा। सामान्य लोग हैं। जितना मिल सकता है लड़की वालों से ले लो की सोच तो हमारे समाज में है ही...। आपकी लड़की को इसके लिए कोई शारीरिक यातना तो देते नहीं हैं। बस जुबान से उल्लाह ही तो देते हैं। यह तो हर लड़के वाले करते हैं। कुछ दिन चलेगा, फिर सब कुछ सामान्य हो जाएगा। क्या आप की माता जी मुझसे नहीं बोलती थी? तब मोबाइल और फोन तो था नहीं जरा-जरा सी बात मायके तक पहुँची। अब तो दाल के तड़के में क्या-क्या डाला है उसकी खबर भी मायके में तड़के को दाल में डालने से पहले पहुँचाने का प्रचलन है। यह सब बहुत सामान्य बातें हैं। आप लड़की के बाप हैं। धैर्य रखना सीखिए...।'

मानुषी शुरू से इस शादी का विरोध कर रही थी। हालाँकि इसके पीछे कोई ठोस आधार नहीं था। तब उसे लगा था कि हर लड़की पिता की सरपरस्ती से निकलने पर ऐसा करती है। लेकिन जब मानुषी के फोन आते तो वह स्वयं को अपराधी महसूस करता। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य होने लगा था।

शांतनु का ट्रांसफर इसी शहर में हो गया था। बेटी के पास आ जाने पर उसे थोड़ा सुकून मिला। शहर एक होने के बावजूद भी वो शांतनु से बीस किलोमीटर की दूरी पर था। बीस में ट्रैफिक और शहर की खरता हालत सड़कें इस दूरी को और कष्टमय बना देती।

इसके बावजूद लगभग हर छुट्टी अब मानुषी उनके साथ बिताती। वह उन्मीद से थी। शांतनु के लिए यह शहर अपरचित था। इसलिए उसका झुकाव भी उसकी तरफ होने लगा था। मानुषी भी अब आजाद थी। यहाँ संयुक्त परिवार की पाबंदियाँ नहीं थी।

अब वह मानुषी की तरफ से चिंता मुक्त हो गया था। वह स्वस्थ और प्रफुल्लित नजर आती। शांतनु उसका पूरा खयाल रखता। डाक्टर से समय-समय से चेकअप कराना। दवाइयों और खाने-पीने पर ध्यान रखना। परिवार के हर सदस्य को नए मेहमान का बेसब्री से इंतजार था।

सभी चाहते थे कि बेटा ही पैदा हो। मानुषी कहती – 'मम्मी यदि लड़का हो गया तो मुझे दुबारा इस झंझट में नहीं पड़ना होगा। और यदि लड़की हुई तो पुत्र की लालसा में एक बार फिर मुझे यह बोझ उठाना पड़ेगा। वैसे भी मेरे परिवार में लड़कियाँ बहुत हैं।'

शांतनु इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते। हाँ! उनके परिवार के अन्य लोगों की अपेक्षा जरूर थी कि मानुषी को बेटा हो। शाावद उसकी भी यही इच्छा थी।

पिछले दो महीने में मानुषी से जब मिलता वह दयनीय सी दिखती। उसे उठने बैठने में

ट्रेन सामने से गुजर गई थी। एक बार फिर ट्रैफिक में जान आ गई और वह धीरे-धीरे रेंगने लगी। आटो वाला दो-तीन जगह पूछने के बाद उसे एक गली के मुहाने पर ला कर खड़ा कर दिया। एक अधबनी इमारत थी। जिसके ऊपर नीले रंग का नर्सिंग होम का साइन बोर्ड लगा था। एक मुर्झाया सा अधेड़ आदमी इमारत के गेट पर तंबाकू रगड़ रहा था। वह आटो से उतरने के बाद जैसे ही आगे बढ़ा अधेड़ आदमी में अचानक फुर्ती आ गई। वह सामने की केबिन में घुसा और उससे तमाम जानकारी लेने लगा।

पक्का हो गया। शांतनु एम.टेक. के बाद मल्टीनेशनल में इंजीनियर थे। सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व के साथ सेलरी पैकेज भी अच्छा था। सबसे अच्छी बात यह थी कि वह निहायत विनम्र और सभी प्रकार व्यसनों से दूर थे। शायद यही कारण था कि उसने अपने हैसियत से ज्यादा खर्च कर दिया था। जो लड़के वालों की माँग थी, उसके अतिरिक्त भी उसने बहुत कुछ दिया...। इसके बावजूद जैसा कि होता है... लड़के वालों को हमेशा कम ही लगता है। मानुषी की सास को भी शिकायत रहती कि इस शादी में उनके आशा के अनुरूप दान-दहेज नहीं मिल पाया। शुरू में मानुषी जब भी उसे बताती, विचलित हो जाता...।

उसके ऊपर तीन लाख का कर्ज था। कुछ अपने विभाग से ले रखा था और कुछ इधे-मिनों से। जिसे चुकाने की चिंता हमेशा बनी रहती। कमाई का एक बड़ा हिस्सा उसी में निकल जाता। बेटी के लिए कुछ न कर पाने का अपराध-बोध भी था। शांतनु भी कहीं न कहीं अपने परिवार के साथ खड़े दिखाई देते थे।

मानुषी से तीन साल छोटी आरूषी थी।

विपरीत हो गया था। अम्मा की आँखों में आँसू आ गए थे – 'किस तरह मैं तीन बेटियों की शादी निपटाई हूँ, मेरी आत्मा जानती है। एक तो पहले से ही थी अब फिर लड़की...?'

पत्नी ने भी बहुत कातर नजरों से देखा था उसे। जैसे उससे कोई बड़ा गुनाह हो गया हो। उसके सूखे और पपड़िआए हाँव कंधे रहें थे। पत्नी ने उसका हाथ जोर से पकड़ा था। पत्नी उससे सात्वना चाहती थी।

वह मुस्कराने की कोशिश किया – 'क्या फर्क पड़ता है? जमाना बदल रहा है। अब बेटे-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बस उन्हें इस योग्य बनाओ की समाज में सर ऊँचा करके जी सकें।'

उसकी बातों को सुनने के बावजूद भी पत्नी की आँखों में संदेह था कि वह यह बातें सिर्फ उसका दिल रखने के लिए कह रहा है... क्योंकि हम दोनों ही बेटे की कामना कर रहे थे।

आरूषी माँ की तरह साँवली थी पर उसके नाक नक्श मानुषी से ज्यादा सुंदर थे। लेकिन इतने सालों बाद भी कुछ नहीं बदला था। सभी कुछ यथावत था। मानुषी की शादी के बाद से तो वह काफी तनाव में आ

वीर गाथा

मेजर नितिन धानिया : आतंकवादियों को बेनकाब कर नापाक इरादे नाकाम किए

मेजर नितिन धानिया का जन्म हरियाणा के रोहतक जिले के डोभ गांव में हुआ था। माता सुनीता धानिया और पिता जय सिंह धानिया के बेटे नितिन पैराशूट रेजिमेंट की दूसरी बटालियन (स्पेशल फोर्स) के जांबाज योद्धा हैं। 13 दिसंबर, 2021 को, नितिन को दक्षिण कश्मीर के एक इलाके में सेना के काफिले पर आतंकवादी हमले को रोकने के लिए सर्जिकल ऑपरेशन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्होंने दोपहर लगभग डेढ़ बजे दो आतंकवादियों का

पता लगाया, जो आम नागरिकों के वेश में थे। आतंकवादी किसी भी समय हमला कर आम लोगों को भी भारी नुकसान पहुंचा सकते थे। इसलिए नितिन ने उनका जल्द खाल्ता करने का इरादा किया। उन्होंने आतंकवादियों को चुनौती दी। इसके बाद आतंकवादियों ने उन पर ऑटोमैटिक हथियारों से गोलीबारी की। मेजर नितिन और उनके साथी ने तेजी से धावा बोला और एक आतंकवादी को वहीं उलझाए रखा। उन्होंने उसे ढेर कर दिया। बाद में पता चला कि वह 'ए प्लस' श्रेणी का

खतरनाक आतंकवादी था। इसके बाद, मेजर नितिन आगे बढ़े। दूसरा आतंकवादी हमला करने की फिराक में था। उन्होंने गोलीबारी कर उसे धराशायी कर दिया। वह 'ए श्रेणी' का आतंकवादी था।

मेजर नितिन ने असाधारण साहस, वीरता और अदृढ़ हिम्मत के साथ अपना कर्तव्य निभाया। उन्होंने आतंकवादियों के नापाक इरादों को नाकाम कर सैकड़ों देशवासियों की जान बचाई। मेजर नितिन धानिया को 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।



महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4, 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinsudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekanth Parashar. (Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (बैंचाहिक, वर्गिकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या घनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उदासीन है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरवाह नहीं बना सकता।

- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

